ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–62
दिनांकः शुक्रवार, 14 अगस्त, 2026

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन केअनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 35.2 एवं 26.1 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 84 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 74 प्रतिशत, हवा की औसत गति 3.8 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 4.2 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 8.7 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5से0मी0 गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 32.1 एवं दोपहर में 38.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि 5.6 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(15–19 अगस्त, 2026)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 15 से 19 अगस्त, 2026 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- उत्तर बिहार के गोपालगंज, सारण, सिवान, पूर्वी एवं पश्चिमी चंपारण जिलों के अनेक स्थानों पर पूरे पूर्वानुमान अवधि के दौरान गरज के साथ मध्यम वर्षा होने की संभावना है। समस्तीपुर, बेगूसराय, मुजफ्फरपुर, मधुबनी, दरभंगा एवं अन्य जिलों में 15–18 अगस्त के आसपास एक–दो दिन गरज के साथ वर्षा हो सकती है। पूर्वानुमानित अवधि के ज्यादातर समय आकाश में हल्के बादल या आसमान के प्रायः साफ रहने की संभावना है।
- इस अवधि के दौरान हल्की से मध्यम वर्षा होने का अनुमान है। सिवान जिले के कुछ स्थानों पर 15–17 अगस्त के बीच भारी वर्षा होने की संभावना है।
- इस दौरान अधिकतम तापमान 33–37°C तथा न्यूनतम तापमान 26–29°C के बीच रहने की संभावना है।
- सुबह के समय सापेक्ष आर्द्रता 80–90% तथा दोपहर के समय 50–55% के आसपास रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमान अवधि में हवाएँ मुख्यतः पूर्वी दिशा से 5–15 किमी प्रति घंटा की गति से चलने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- धानः कम वर्षा की स्थिति में खरपतवार का प्रकोप बढ़ सकता है। अतः समय पर निराई–गुड़ाई करें तथा इसके बाद 20–30 किग्रा नाइट्रोजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन करें। तना छेदक एवं पत्ती लपेटक कीटों के प्रकोप की नियमित निगरानी करें तथा लक्षण दिखाई देने पर आवश्यक नियंत्रण उपाय अपनाएं।
- मक्काः खड़ी फसल में तना छेदक कीट की नियमित निगरानी करें। इसकी सूंडियाँ कोमल पत्तियों एवं मध्य कलिका को नुकसान पहुँचाकर तने के गूदे में सुरंग बनाती हैं, जिससे मध्य कलिका मुरझाकर सूख जाती है और आसानी से बाहर निकल आती है। ऐसे लक्षण दिखाई देने पर पौधों के गाभा में कार्बोफ्यूरान 3 जी की 7 किग्रा/हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें।
- लिचीः लिची स्टिंक बग के प्रबंधन के लिए निचले तने के चारों ओर चिपचिपे गोंद वाले बैंड लगाकर ट्रंक बैरियर तैयार करें, जिससे ऊपर चढ़ने वाले निम्फ फँस जाएँ। जमीन पर गिरे वयस्क एवं निम्फ को नियमित रूप से एकत्र कर नष्ट करें। कीट के प्रसार को रोकने के लिए प्रत्येक लिची बाग में इन उपायों को अपनाएं।
- पपीताः पपीते की बीज बोआई के लिए मौसम अनुकूल है। अगस्त के मध्य से बीज बोआई शुरू करें। एक हेक्टेयर क्षेत्र के लिए 300–350 ग्राम बीज की आवश्यकता होती है। बीजों को बाविस्टिन 2 ग्राम/किग्रा बीज की दर से उपचारित कर 150 गेज पॉलीथिन की 20×15 सेमी आकार की थैलियों में बोयें। पौधशाला में 7–10 सेमी की दूरी पर 10–15 सेमी ऊँची क्यारियों में बीज बोयें। 20–25 सेमी ऊँचाई होने पर पौधों को रोपाई के लिए तैयार करें। उत्तर बिहार के लिए *पूसा ड्वार्फ, पूसा नन्हा, पूसा डेलीसियस, सी.ओ.–7, अर्का सूर्या* एवं *रेड लेडी* की अनुशंसा की जाती है।
- टमाटरः शरदकालीन फसल के लिए बोआई करें। उत्तर बिहार के लिए सामान्य किस्मों में *अर्का विकास, अर्का अभेद, अर्का अलोक, अर्का अभिजीत, अर्का सौरभ, अर्का मेघाली, पूसा उपहार, पूसा रूबी, काशी शरद* एवं *काशी अनुपम*–11 तथा संकर किस्मों में *अर्का सम्राट, अर्का अपेक्षा, अर्का विशेष, पूसा दिव्या, अर्का वरदान, अर्का रक्षक* एवं *अर्का अनन्या* की अनुशंसा की जाती है। एक हेक्टेयर में सामान्य किस्मों के 400–500 ग्राम तथा संकर किस्मों के 150–200 ग्राम बीज की आवश्यकता होती है। बोआई के 21–30 दिन बाद पौधे रोपाई के लिए तैयार हो जाते हैं। सीमित बढ़वार वाली किस्मों में 60×45 सेमी, असीमित बढ़वार वाली किस्मों में 75×60–75 सेमी तथा संकर किस्मों में 90×60 सेमी की दूरी रखें। प्रति हेक्टेयर 200–250 क्विंटल अच्छी तरह सड़ी हुई गोबर की खाद, 120 किग्रा नाइट्रोजन, 80 किग्रा फास्फोरस एवं 80 किग्रा पोटाश प्रयोग करें। नाइट्रोजन को तीन बराबर भागों में रोपाई के समय, 20–25 दिन तथा 45–50 दिन बाद दें।
- कद्दूवर्गीय सब्जियाँः फल मक्खी के प्रकोप की नियमित निगरानी करें तथा नियंत्रण हेतु मिथाइल यूजेनॉल ट्रैप का प्रयोग करें। प्रकोप दिखाई देने पर साफ मौसम में इमिडाक्लोप्रिड 30.5 एस.सी.@ 0.25 मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
- दुधारू पशुः सभी दुधारू पशुओं को 100 मिलीलीटर ऑक्सीक्लोजानाइड एवं लेवामिसोल मौखिक रूप से दें। इसके 15 दिनों बाद पशुओं का गलाघोटु, ब्लैक क्वार्टर एवं एफएमडी रोगों के विरुद्ध टीकाकरण कराएं। लम्पी स्किन डिजीज (LSD) से बचाव हेतु पशुओं के बाड़े को साफ एवं सूखा रखें तथा प्रतिदिन सफाई के बाद चूने के पाउडर का छिड़काव करें।

आज का अधिकतम तापमानः 33.4 डिग्री सेल्सियस, जो से 1.2 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 26.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.6 डिग्रीसेल्सियस कम

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी